

## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 31 मई, 2022

### 'वशिव तंबाकू नषिध दविस'

प्रत्येक वर्ष 31 मई को वशिव स्वास्थ्य संगठन (WHO) और वैश्विक साझेदारों द्वारा वशिव तंबाकू नषिध दविस (WNTD) मनाया जाता है। इस वर्ष 'वशिव तंबाकू नषिध दविस' की थीम है- 'पर्यावरण की रक्षा करें'। इस दविस के आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य तंबाकू के हानिकारक उपयोग एवं प्रभाव के वषिय में जागरूकता का प्रसार करना तथा तंबाकू के किसी भी रूप में उपयोग को हतोत्साहित करना है। सर्वप्रथम वर्ष 1987 में वशिव स्वास्थ्य सभा ने 7 अप्रैल को 'वशिव धूम्रपान नषिध दविस' के रूप में घोषित किया था। इसके पश्चात् वर्ष 1988 में प्रत्येक वर्ष 31 मई को 'वशिव तंबाकू नषिध दविस' मनाने का आह्वान करते एक प्रस्ताव पारित किया गया। इस वार्षिक उत्सव के आयोजन का उद्देश्य न केवल तंबाकू के उपयोग के खतरों के बारे में लोगों को जागरूक करना है, बल्कि तंबाकू कंपनियों के व्यावसायिक प्रथागत विकास को भी हतोत्साहित करना है। तब से इस दिने दुनिया भर में तंबाकू और इसके सेवन के घातक परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिये अभियान चलाया जा रहा है। वशिव स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, प्रत्येक वर्ष दुनिया भर में लगभग 80 लाख लोग तंबाकू के सेवन से होने वाले रोगों की वजह से मौत के शिकार हो जाते हैं।

### हदि पत्रकारिता दविस

देश भर में प्रत्येक वर्ष 30 मई को 'हदि पत्रकारिता दविस' मनाया जाता है। यह दविस भारतीय पत्रकारों खासतौर पर हदि भाषी पत्रकारों के लिये काफी महत्त्वपूर्ण है, साथ ही यह दविस समाज के विकास में पत्रकारों के योगदान और पारदर्शिता तथा उत्तरदायित्व निर्धारण में उनकी भूमिका को रेखांकित करता है। 30 मई, 1826 में पंडित युगल कशोर शुक्ल ने हदि के प्रथम समाचार पत्र 'उदंत मारतण्ड' के प्रकाशन का शुभारंभ किया था। 'उदंत मारतण्ड' का शाब्दिक अर्थ है 'समाचार-सूर्य'। 'उदंत मारतण्ड' का प्रकाशन प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को किया जाता था। पुस्तक के आकार में छपने वाले 'उदंत मारतण्ड' के केवल 79 अंक ही प्रकाशित हो सके और दिसंबर 1827 में वित्तीय संसाधनों के अभाव में इसका प्रकाशन बंद हो गया। इस समाचार पत्र में बर्ज और खड़ी बोली दोनों भाषाओं के मशिरि रूप का प्रयोग किया जाता था, जसि इस पत्र के संचालक 'मध्यदेशीय भाषा' कहते थे। कानपुर के रहने वाले पंडित युगल कशोर शुक्ल पेशे से एक वकील थे और औपनिवेशिक ब्रिटिश भारत में वकील के तौर पर कलकत्ता में कार्य कर रहे थे। इतिहासकार पंडित युगल कशोर शुक्ल को भारतीय पत्रकारिता का जनक मानते हैं। वहीं बंगाल से हदि पत्रकारिता की शुरुआत का श्रेय राजा राममोहन राय को दिया जाता है। हदि पत्रकारिता ने इतिहास में एक लंबा सफर तय किया है। 1826 ई. में पंडित युगल कशोर शुक्ल ने जब पत्रकारिता की शुरुआत की थी, तब यह कल्पना करना मुश्किल था कि भारत में पत्रकारिता भविष्य में इतना लंबा सफर तय करेगी।

### संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक अंतरराष्ट्रीय दविस

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रत्येक वर्ष 29 मई को 'संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक अंतरराष्ट्रीय दविस' के रूप में मनाया जाता है। इस दविस का मुख्य उद्देश्य शांति स्थापना के लिये शहीद हुए सैनिकों को याद करना एवं उनका सम्मान करना है। आधिकारिक सूचना के मुताबिक, बीते वर्ष विभिन्न अभियानों में संयुक्त राष्ट्र के 130 शांति सैनिकों ने अपनी जान गँवाई थी और वर्ष 1948 में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों की शुरुआत से अब तक 4000 लोग मारे जा चुके हैं। ज्ञात हो कि पहले संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन का गठन 29 मई, 1948 को किया गया था जब 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद' ने मध्य पूर्व में संयुक्त राष्ट्र के सैन्य पर्यवेक्षकों की एक छोटी टुकड़ी की तैनाती को अधिकृत किया था। यह दविस वर्ष 2003 में पहली बार मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार, प्रत्येक सदस्य राष्ट्र वैश्विक शांति के लिये अपने संबंधित हिससे का भुगतान करने के लिये कानूनी रूप से बाध्य है। स्थानीय समुदायों का समर्थन करने के साथ-साथ शांति सैनिकों को कोविड-19 महामारी के प्रभावों से भी जूझना पड़ रहा है।

### जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क

हाल ही में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) का दस दिने का जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क कार्यक्रम संपन्न हुआ। समापन समारोह में छह देशों- घाना, बांग्लादेश, पेरू, नेपाल, बुरुनेई और नॉर्वे से आए 27 प्रतिनिधियों ने भारत यात्रा के अपने-अपने अनुभव साझा किये। इसके तहत दुनिया के 75 लोकतांत्रिक देशों के उभरते युवा नेताओं को भारत की सांस्कृतिक विविधता, कला, लोकतंत्र एवं अन्य वषियों की जानकारी तथा वचिरों के आदान-प्रदान का अवसर प्राप्त हुआ। घाना के सांसद ने भारत की प्रशंसा की और कहा कि भारत की संस्कृति, भाषा एवं लोग अद्भुत हैं। जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न सत्रों पर भारत की लोकतांत्रिक शासन संरचना को परिभाषित करना है और दुनिया भर में भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की सफलता की समझ विकसित करना है। ICCR ने आज्ञादी का अमृत महोत्सव के तहत नवंबर 2021 में जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी कार्यक्रम के पहले बैच का आयोजन किया था, जसिमें भूटान, जमैका, पोलैंड, मलेशिया, स्वीडन, श्रीलंका, तंजानिया और उज़्बेकिस्तान जैसे आठ देशों के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल 25 नवंबर से दो दिसंबर 2021 तक भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं को समझने के लिये भारत के दौरे पर रहा, जबकि दूसरा बैच 29 मई, 2022 को संपन्न हुआ। तीसरा बैच इस वर्ष जुलाई में शुरू होने वाला है।

